पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:01.12.2021 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

95वां स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस

बृहस्पतिवार 23 दिसम्बर 2021
प्रातः 10 बजे

मुख्य अतिथिः
श्रीमती मीनाक्षी लेखी
(केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार)

14,महादेव रोड़, नई दिल्ली

आप सादर आमंत्रित हैं

—अनिल आर्य,संयोजक

वर्ष-38 अंक-13 पौष-2078 दयानन्दाब्द 198 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2021 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.12.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 320वां वेबिनार सम्पन्न

आर्य समाज ए टी एस इंदिरापुरम का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

बढ़ता पाखण्ड अंधविश्वास सभ्य समाज को चुनौती —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
यज्ञीय भावना परोपकार का संदेश देती है—आचार्य महेन्द्र भाई

रविवार, 21 नवम्बर 2021, आर्य समाज ए टी एस इंदिरापुरम का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी विनोद त्यागी ने की व कुशल संचालन प्रधान देवेन्द्र गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि अनिल आर्य ने कहा कि आज बढ़ता हुआ पाखण्ड और अंधविश्वास सभ्य समाज के लिए चुनौती है। शिक्षा तो बढ़ रही है पर फिर भी अंधविश्वास बढ़ रहा है इसके प्रति सतर्क व जागरूक होने की आवश्यकता है। देश में राष्ट्रविरोधी ताकते सिर उठा रही हैं आर्य जनों को राष्ट्रीय भावना का संदेश जन जन तक पहुचाना है और नई पीढ़ी को देश के प्रति समर्पण और राष्ट्र प्रेम का सन्देश पढ़ाना है। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि यज्ञ जीवन मे आगे बढ़ने और परोपकार की भावना का प्रचारक है।यज्ञ बिना भेद भाव के शुद्ध वातावरण व सुगंध प्रदान करता है।व्यक्ति का जीवन ऐसा हो कि उसकी सुगंध से सभी आकर्षित हों। राष्ट्र की सुख समृद्धि के लिए आहुतियां चढ़ाई गई। आर्य भजनोपदेशक आचार्य अमृता आर्या,प्रवीन आर्या व नरेश आर्य आदि ने साथी कलाकारों ने मधुर भजनों से समा बांध दिया। उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा वेद प्रचार के सत्संग के कार्यक्रम भिन्न भिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे व कोरोना व डेंगू से बचाव किया जायेगा। विशिष्ट अतिथि डॉ आर के आर्य ने कहा कि वैदिक संस्कृति सर्वश्रेष्ठ है आओ वेदों की और लौटें। योग शिक्षक सौरभ गुप्ता के सानिध्य में आर्य युवकों द्वारा योगासनों का सुंदर प्रदर्शन किया गया जिसे दर्शकों खूब सराहा। इस अवसर पर वैदिक विदुषी डा कल्पना रस्तोगी,डा सविता आर्य प्राचार्या मैत्रेय कन्या गुरुकुल,हरिद्वार ने मनुष्य बनने पर बल दिया और कहा वेद का सूर्य सदा से था,है और रहेगा इसलिए हमारा देश विश्वगुरु रहा है। प्रमुख रूप से यज्ञवीर चौहान, ममता चौहान,अभिषेक गुप्ता, सुरेश आर्य,सुरेश आर्य,विजय छाबड़ा,योगेश गुप्ता,विजय भारती,प्रदीप त्यागी,वेद प्रकाश आदि उपस्थित थे।

मुंबई हमले की 13 वीं वर्षगांठ पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

आंतकवाद विश्वव्यापी समस्या जड़ से सफाया आवश्यक —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 26 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में मुम्बई आंतकवादी हमले की 13 वीं वर्ष गांठ पर मृतकों व पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय हैं कि 26 नवम्बर 2008 को मुम्बई में 10 जगह आंतकवादी हमला हुआ था जिसमें 166 लोग मारे गए थे और 600 से अधिक घायल हुए थे। मुख्य अभियुक्त कसाब को बाद में फांसी दे दी गई थी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज आंतकवाद विश्वव्यापी समस्या बन चुका है, इसका जड़ से सफाया अत्यंत आवश्यक है,जो सोच —विचारधारा अच्छे भले पढ़े लिखे व्यक्ति को हृदय परिवर्तन कर आंतकवादी बना सकती है उस सोच पर प्रहार करना समय की मांग है।आज पूरा विश्व व सम्पूर्ण मानवता उस सोच से प्रताड़ित हो रही है। मुम्बई आंतकवादी हमले ने पूरी मानवता को शर्मसार कर दिया था, जिसकी गूंज दुनिया के कोने कोने में सुनाई दी,उन बेकसूर लोगो के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते है साथ ही जो पुलिस अधिकारी कर्त्तव्य की बलिवेदी पर कुर्बान हो गए उनको भी शत शत नमन करते हैं। आंतकवाद व उनके संरक्षकों को समुचित उपचार आवश्यक है तभी मानवता जिंदा रह पायेगी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि मुंबई हमला कायरता का परिचायक था, निहत्थे बेकसूर लोगो को मारना इंसानियत को शर्मसार करता है। गायक दीप्ति सपरा, प्रवीन आर्या,रविन्द्र गुप्ता,रजनी गर्ग, रजनी चुघ,कमलेश चांदना,बिन्दु मदान,जनक अरोड़ा,प्रतिभा कटारिया, विजय लक्ष्मी आर्या आदि ने ओजस्वी गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रुप से आचार्य महेन्द्र भाई,वीना वोहरा, ओम सपरा, नरेंद्र आर्य सुमन,आनन्द प्रकाश आर्य,डॉ रचना चावला,देवेन्द्र गुप्ता आदि उपस्थित थे।

आर्य समाज अशोक विहार फेज 1 दिल्ली का उत्सव सौल्लास सम्पन्न

रविवार 28 नवम्बर 2021,आर्य समाज अशोक विहार फेज 1,दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ । फेज 1, 2 व 3 में तीनो समाजो में कार्यक्रम हुए। आचार्य सत्यवीर शर्मा के प्रवचन व प. दिनेश पथिक के भजन हुए । श्री प्रेम सचदेवा, श्री सत्यपाल गांधी,श्री जीवन लाल आर्य,श्री वेदमित्र अग्रवाल, श्रीमती अनिता ग्रोवर, श्री विक्रांत चौधरी, वन्दना कोहली, काशीराम शास्त्री, सतीश शास्त्री, देवेन्द्र शास्त्री, देवेन्द्र भगत, राकेश बेदी को सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई–अनिल आर्य

शस्त्र और शास्त्र का समन्वय पर गोष्ठी सम्पन्न

शास्त्र का अनुपालन शस्त्र से सम्भव है –डॉ. दयानिधि सेवार्थी

शुक्रवार 26 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में शस्त्र और शास्त्र का समन्वय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 319 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान डॉ. दयानिधि सेवार्थी ने कहा कि शास्त्र का अनुपालन शस्त्र से ही सम्भव है,व्यक्ति नियमो का पालन भय व दंड से ही करता है । उन्होंने कहा कि समाज व समझ शब्द का भेद शास्त्र व शस्त्र समन्वय इस विषय में यजुर्वेद के मंत्र संख्या 20/25 व ऋग्वेद के मंत्रों को उद्धृत करते हुए राष्ट्र व समाज को सशक्त करने में शास्त्र व शस्त्र का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। शास्त्र सिद्धांत है तो शस्त्र प्रयोगात्मक रूप है और विषय को स्पष्ट करते हुए सेवार्थी जी ने कहा कि शास्त्र के अनुसार योग्य का तिरस्कार और अयोग्य का सम्मान जिस संगठन व समाज में होता है वहां सर्वनाश ही होता है। महर्षि विश्वामित्र व महर्षि परशुराम के जीवन को उद्धृत करते हुए विषय को ओज पूर्ण प्रस्तुति करते हुए सभी श्रोताओं का मार्गदर्शन किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि शास्त्र सामाजिक व्यवस्था चलाने में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और शस्त्र उसे मानने को बाध्य करते है तभी समाज चलता है,जहाँ कानून का भय नहीं होता वहाँ अराजकता जन्म लेती है । ऋषियों की तपस्या भी तभी हो पाती है जब सुरक्षा में राम लक्ष्मण से धुरंधर खड़े होते है। मुख्य अतिथि आर्य नेता सुरेश आहूजा ने कई उदाहरणों से शस्त्र की महत्ता को स्पष्ट किया । राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने आर्ष ग्रंथों का प्रचार किया लेकिन समय आने पर राव कर्ण सिंह की तलवार भी तोड़ दी।

सर्दियों में पोषण पर गोष्ठी सम्पन्न

सुरक्षात्मक सर्दियों के लिए ऊर्जा व पौष्टिक आहार लें –प्रो. करुणा चांदना

बुधवार 24 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सर्दियों में पोषण विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 318 वा वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो.करुणा चांदना ने कहा कि सर्दियों में सावधानी रखना अत्यंत आवश्यक है, सुरक्षात्मक सर्दियों के लिए ऊर्जावान व पौष्टिक आहार लें। उन्होंने कहा कि शरद ऋतु में पदार्पण करते ही मन में एक ऐसी छवि बन जाती है कि जैसे भारी–भरकम कपड़े ऊनी कपड़े, कंबल, फटी फटीत्वचा, फटी एड़ियां ,गरम गरम चीज का सेवन आदि आदि। हर मौसम की तरह सर्दियों में भी अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखना होता है। सर्दी में तापमान गिरना शुरू हो जाता है जिससे हमारा एनर्जी लेवल कम हो जाता है खास करके कड़ाके की सर्दी में मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है। एनर्जी कम होने से शरीर सर्दी से नहीं लड़ पाता जिससे जल्दी से वायरल तथा दूसरी बीमारियां घेर लेती है क्योंकि ठंडा तापमान, शुष्क हवा,कम आद्रता आदि परिस्थितियां माइक्रो ऑरगैनिसमैस के सक्रिय प्रजनन के लिए अनुकूल है। यही अनुजीवी हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को कम करते हैं जिससे हमें खांसी,जुकाम, इनफ्लुएंजा,साइनोसाइटिस, ज्वाइंट पेन जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खास करके दिल्ली तथा एनसीआर में दिवाली तथा पराली के बाद एयर क्वालिटी इंडेक्स बढ़ जाता है जिससे हमें सूखी खांसी अस्थमा रेस्पिरेट्री लंग डिसीसिस होने का खतरा रहता है। न्यूट्रीशनिस्ट के तौर पर मेरा यह कहना है कि इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए भोजन तथा जीवन शैली में बदलाव लाना अत्यंत जरूरी है वैसे भी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए सर्दी का मौसम बहुत बेहतर है क्योंकि भूख अच्छी लगती है पाचन शक्ति अच्छी होती है शरीर का इंजन अच्छे से काम करता है तो शरीर को हष्ट पुष्ट करने का इससे उत्तम समय कोई और नहीं हो सकता। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए हमें निरंतर खाने में हर्ब्स, मसाले, सुपरफूड्स तथा शरीर को गरम,रखने वाले, ऊर्जा युक्त तथा पौष्टिक खाद्य पदार्थ खाने चाहिए तभी हमारी सर्दी सुरक्षात्मक तथा आनंद पूर्वक बन सकती है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सर्दियों में स्वास्थ्य व पौष्टिक आहार में संतुलन बनाए रखे। आर्य नेत्री सुमन गुप्ता व कमलेश चांदना ने कहा कि हमारी रसोई हमारा चिकित्सालय है,हर चीज वहाँ उपलब्ध है। लेकिन हमें बीमारी आने पर उपवास व कच्चे फलाहार का सहारा लेना चाहिए इससे अधिक लाभ होगा। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि परहेज इलाज से बेहतर है।

आर्य समाज हापुड़ का 131 वा वार्षिकोत्सव सम्पन्न

रविवार 21 नवम्बर 2021, प्रसिद्ध विद्वान हरिशंकर अग्निहोत्री जी (आगरा) एवं प्रसिद्ध भजनोपदेशक डॉ अंजली आर्य के ज्ञान वर्धक उपदेश हुए।स्वामी अखिलानंद सरस्वती गुरुकुल पुठ ने युवा निर्माण सम्मेलन में अपना ओजस्वी उद्बोधन दिया।महिला सम्मेलन में राजसभा सांसद श्रीमती कांता कर्दम,दर्शनाचार्य श्रीमती विमलेश बंसल एवम योगाचार्य श्रीमती श्रुति सेतिया ने अपने अपने वक्तव्य में महिलाओं से आव्हान किया कि अपनी सन्तति को बचाने के लिए कार्य करें।भृमित बच्चों को आधुनिकता की अंधी दौड़ से बचा कर चरित्रवान, देशभक्त,व वैदिक संस्कृति से ओत प्रोत करें।महृषि दयानंद जी के महिलाओं पर किये गए उपकारों याद रख आर्य समाज के साथ मिलकर कार्य करें।तभी हम महिलाओं की मर्यादा व सम्मान सुरक्षित रहेगा। वार्षिकोत्सव मे व्यवस्थित रूप से निःशुल्क आवासीय ष्पुरोहित प्रशिक्षण शिविर ष्आयोजन किया गया , जिसमे आचार्य अग्निहोत्री जी ने बहुत सरल शब्दों में संस्कार विधि द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।दूर दूर से प्रशिछार्थी पधारें और ज्ञानवर्धन किया तथा शिविर की प्रशंसा करी। सभी विद्वानों, शिविरार्थियों,श्रोताओं ने आर्य समाज मे स्थापित भव्य,ज्ञानवर्द्धक ऋषि दयानंद दीर्घा का अवलोकन किया।सभी ने दीर्घा को अद्वितीय बताकर भूरी भूरी प्रशंसा करी।कार्यक्रम का कुशल संचालन युवा मंत्री अनुपम आर्य ने व धन्यवाद नरेन्द्र आर्य व आनंदप्रकाश आर्य ने किया।

317 वां आर्य वेबिनार सम्पन्न

भगवान के घर न देर है और न अंधेर है –आचार्य विजय भूषण आर्य

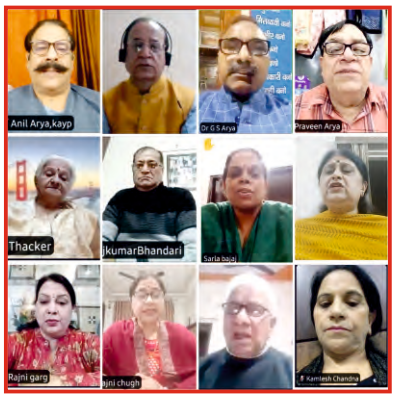

सोमवार 22 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वाधान में भगवान के घर देर है अंधेर नहीं है विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 317 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य विजय भूषण आर्य ने कहा कि भगवान के घर न तो देर है और न ही अंधेर है अपितु उसकी न्यायोचित व्यवस्था के अंतर्गत सारे कार्य होते है।उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग इस बात को बात बात में बोलते हुए भगवान् पर एक प्रकार का आरोप लगा देते हैं कि भगवान् तू गलती तो करता है । गलती का क्या अर्थ हुआ? देर करना। क्योंकि ‘ देर ‘ करना किसी भी काम में दोष ही कहलाता है। जैसे आप ऑफिस में देर से पहुंचे तो इसे दोष ही माना जायेगा। बच्चा स्कूल में देर से पहुंचा तो यह दोष ही कहलायेगा। आप विदेश जा रहे हैं और समय पर एयरपोर्ट नहीं पहुँच सके,तब भी यह दोष ही कहलायेगा।आप यहीं रह जायेंगे और जहाज़ चला जायेगा।अब ज़रा विचार करें कि यही बात आप भगवान् के लिए भी कह रहे हो कि उसके घर देर है पर अंधेर नहीं,तो बताओ आप ईश्वर पर दोषारोपण ही तो कर रहे हो । जबकि ईश्वर ने आज तक कोई गलती नहीं की और न वह कभी गलती कर सकता है। जब हम यज्ञ की पूर्णाहुति करते हैं तो इस मंत्र का पाठ करते हुए बोलते हैं–––––– ओ३म् पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते। पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते। अर्थात् ईश्वर पूर्ण है उसने संसार को रचा भी पूर्ण है और अंत में बच भी पूर्ण ही जायेगा।अस्तु, भगवान् में कोई कमी,न्यूनता, छिद्र या दोष नहीं है।जाने अनजाने हम यह कहकर उस पर दोष लगाते रहते हैं और कहते हैं ––– भगवान् के घर देर है अंधेर नहीं। हमें कोई भी बात कहने से पहले उसे बुद्धि की तराजू पर तोलना चाहिए फिर बोलना चाहिए। हम जो कुछ बोलते हैं वह बात अन्य लोग सुनते हैं और उस बात को मानना प्रारंभ कर देते हैं। अतः बोलना सोच समझकर चाहिए जिससे दूसरों के मन में कोई भ्रान्ति न पैदा हो।इसी के समान कुछ और बातें भी लोग बिना विचारे बोल देते हैं जैसे दाने दाने पर लिखा है खाने वाले का नाम। अरे भाई, किसी का भी नाम खाने पीने की चीज़ पर ईश्वर नहीं लिख सकता क्योंकि हम (आत्मा) कर्म करने में स्वतंत्र है। यदि ईश्वर हमारे लिए लिख देगा तो हम मांसाहार करने और शराब आदि पीने पर दोषी नहीं कहला सकते। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ईश्वर सर्वशक्तिमान, न्यायकारी है सभी कार्य न्यायपूर्वक ही होते हैं। मुख्य अतिथि डॉ.गजराज सिंह आर्य ने कहा कि कर्मफल व्यवस्था के अंतर्गत सभी कार्य होते है।अध्यक्षता आर्य नेता राजकुमार भंड़ारी ने की। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि संसार में तीन वस्तुएं सदा से थीं,हैं और रहेंगी।ईश्वर,जीव और प्रकृति।प्रकृति में एक गुण है कि वह सत्य है,जीव में दो सत्य और चेतन है,ईश्वर में तीन सत्य,चेतन और आनन्द।जीवात्मा को आनन्द परमात्मा के सानिध्य में आने पर ध्यान योग द्वारा मिलेगा,प्रकृति में नहीं। गायिका प्रवीना ठक्कर,रजनी गर्ग,रजनी चुघ,कमला हंस,कुसुम भंड़ारी,रेखा वर्मा,रविन्द्र गुप्ता, नरेन्द्र आर्य सुमन आदि ने भजन सुनाये । प्रमुख रूप से रामकुमार सिंह आर्य,महेन्द्र भाई,भरत सचदेवा, के के यादव,आस्था आर्या,वेद भगत,अमीरचंद रखेजा, राजेश मेहंदीरत्ता, विजय चोपड़ा आदि उपस्थित थे ।

ईश्वर का ज्ञान जीवों का कल्याण पर गोष्ठी सम्पन्न

वेद ज्ञान मानवमात्र के लिए है–आचार्य हरिओम शास्त्री
लाला लाजपतराय के बलिदान ने गरम दल को उर्जा दी–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 16 नवम्बर 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वाधान में ईश्वर का ज्ञान जीवों का कल्याण विषय पर गोष्ठी व पंजाब केसरी लाला लाजपतराय के 93 वे बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कॅरोना काल में 314 वा वेबिनार था। आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि सृष्टि की रचना परमात्मा ने मानव मात्र के लिए की है और उसके लाभ भी सभी के लिए समान रूप से है। वेद ईश्वरीय ज्ञान है सभी उसे पढ़ व समझ सकते है। परमात्मा ने जीव जंतुओं को भी बनाया है उन्हें मारना परमात्मा की व्यवस्था का उलंघन है। हमें शाकाहार पर बल देना चाहिए और मांसाहार का सेवन नहीं करना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी लाला लाजपतराय जी का बलिदान दिवस युवाओं के लिए प्रकाशपुंज है। उल्लेखनीय है और 17 नवम्बर 1928 को लाहौर में उनका बलिदान हुआ था। जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद लाला लाजपतराय जी ने लाहौर में साईमन कमीशन गो बैक के आंदोलन का नेतृत्व किया और अंग्रेजी हकूमत की पुलिस की लाठियों से शहीद हो गए। भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव ने उनकी मौत का बदला लिया। लाला जी ने कहा था कि मेरे शरीर पर पड़ी एक एक लाठी ब्रिटिश सरकार के लिए कफन का काम करेगी और वो सही सिद्ध हुआ, पूरा पंजाब क्रांति की आग में सुलग पड़ा और अंग्रेजों को भारत छोड़ कर जाना पड़ा। पंजाब नेशनल बैंक और डी ए वी मैनेजिंग कमेटी की स्थापना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्य अतिथि वीरेन्द्र आहूजा ने निर्धन वर्ग के बच्चों को शिक्षा व रोजगार देने का संकल्प लिया । अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप नागपाल(आंतरिक लोकपाल,पी एन बी) ने लाला लाजपतराय जी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि व्यक्ति जन्म से सब बराबर होते हैं कर्म से ही व्यक्ति का वर्ण निश्चित होता है । गायिका प्रवीना ठक्कर, दीप्ति सपरा, रजनी चुघ,आशा आर्या,कमलेश चांदना,सुशांता अरोड़ा, सुदेश डोगरा, कविता आर्या,कमला हंस,कुसुम भंडारी आदि के मधुर भजन हुए।

जीवन के स्वर्णिम सूत्र पर गोष्ठी सम्पन्न

सकारात्मक सोच राह आसान करती है –आचार्य ब्रह्मदेव वेदालंकार

शनिवार 20 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वाधान में जीवन के स्वर्णिम सूत्र विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 316 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य ब्रह्मदेव वेदालंकार ने कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच रखने से जीवन सुखद हो जायेगा। जीवन की धूप–छांह और आंख मिचौली के यथार्थ को समझे बिना जीवन को सफल और सार्थक तरीके से नहीं जिया जा सकता है। इस परिवर्तनशील जगत की वास्तविकता को समझें और स्वयं को उसके लिए मानसिक रूप से तैयार करें। सकारात्मक शक्तियों से जुड़े धर्म और अध्यात्म की चेतना के संपर्क में रहने वाले लोगों की आंखें तो समय रहते अवश्य खुलनी चाहिए। उन्हें यह चिंतन करना है कि हमें केवल वर्तमान में ही नहीं जीना है, भविष्य के लिए भी खुद को तैयार करना है। यौवन के आगे बुढ़ापा है। इसे अनदेखा नहीं करना है। बचपन को यौवन के संदर्भ में, यौवन को बुढ़ापे के संदर्भ में और पूरे जीवन को मौत के संदर्भ में देखना चाहिए । हमारी बहुत सारी सफलताएं और असफलताएं हमारी दृष्टि पर निर्भर हैं। दृष्टि किससे प्राप्त होती है? दृष्टि अभ्यास से प्राप्त होती है। दृष्टि प्राप्त नहीं है तो हम सचाई को कभी समझ नहीं पाएंगे और हमारी समझ भी विकसित नहीं होगी। अभ्यास बहुत जरूरी चीज है। अभ्यास जरूरत के समय ही नहीं, बल्कि हर समय होना चाहिए। अखाड़े में उतरने वाला पहलवान रोज अभ्यास करता है। ऐसा नहीं है कि जब कुश्ती लड़ना हो तभी अभ्यास शुरू करो। तैयारी बहुत पहले से करनी पड़ती है। किसान खेती का अभ्यास केवल सीजन में ही नहीं करता। वह रोज करता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि दूसरों की गलतियों को माफ करना और आगे बढ़ना चाहिए । छोटी छोटी बातों को याद रखने से जिंदगी बोझिल हो जाती है जिंदगी हंसते मुस्काते जीनी चाहिए। मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार यादव (प्रधान,आर्य समाज वृंदावन गार्डन,साहिबाबाद) ने कहा कि ईमानदारी व कड़ी मेहनत जीवन में सफलता के लिए आवश्यक है। अध्यक्ष आर्य नेता सतीश नागपाल ने कहा कि मनुष्य जीवन बड़ा अनमोल है हम अपने आचरण व्यवहार से और सुंदर बना सकते है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि योग जीवन का आधार है योगी व्यक्ति निराश नहीं होता। गायिका बिंदु मदान, करुणा चांदना(मेरठ),रविन्द्र गुप्ता, किरण सहगल, रेखा वर्मा, प्रवीना ठक्कर, नरेशप्रसाद, कमला हंस,रजनी गर्ग आदि ने मधुर भजन सुनाये।

346 वे बलिदान दिवस पर गुरु तेग बहादुर जी को दी श्रद्धांजलि

गुरु तेगबहादुर जी ने हिन्दू धर्म की रक्षा की –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 24 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद ने हिन्द की चादर, नवम सिख गुरु श्री गुरु तेगबहादुर जी के 346 वे बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि 24 नवम्बर 1675 को अत्याचारी मुगल शासक औरंगजेब ने इस्लाम स्वीकार न करने पर उनका शीश दिल्ली के चांदनी चौक पर कटवा दिया था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि श्री गुरु तेगबहादुर जी हिन्दू धर्म के रक्षक थे, उन्होंने अपना शीश कटवा दिया पर इस्लाम स्वीकार नहीं किया। यह उनके बलिदान का अनुपम उदाहरण है, आज की नयी पीढ़ी को उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर हिन्दू धर्म की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि मैं सनातन धर्मी हु इस्लाम स्वीकार नहीं करूंगा वह इस पर अडिग रहे। आज उनके बलिदान स्थली पर गुरुद्वारा शीशगंज स्थापित है। उन्होंने 16 अप्रैल 1664 को सिखों के नोवे गुरु का पद संभाला। सिख इतिहास प्रेम,त्याग और बलिदान की गाथाओं से भरा हुआ है। हमें अपने हिन्दू धर्म पर गर्व करना चाहिए जहां ऐसे वीरों ने जन्म लिया है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि सवा लाख से एक लड़ाऊँ बहादुरी का उदाहरण है, हमें अपने बलिदानी वीरों का इतिहास नयी पीढ़ी को पढ़ाना चाहिए। गायिका प्रवीन आर्या, दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग,रजनी चुघ,डॉ रचना चावला, रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर,नरेन्द्र आर्य सुमन आदि ने मधुर गीत सुनाये। प्रमुख रूप से सरदार हरभजन सिंह देयोल,आचार्य महेन्द्र भाई, यशोवीर आर्य,रामकुमार सिंह,धर्मपाल आर्य,देवेन्द्र भगत,दुर्गेश आर्य,अरुण आर्य,आस्था आर्या आदि उपस्थित थे।

अमर शहीद करतारसिंह सराबा के 106 बलिदान दिवस पर नमन

क्रांतिकारियों के बलिदान को नई पीढ़ी याद रखे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 16 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी करतारसिंह सराबा के 106 बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि केवल 19 वर्ष की आयु में 16 नवम्बर 1915 को लाहौर की केन्द्रीय जेल में छै साथियों के लिए फांसी दी गई थी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने देश भक्त क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को उनके जज्बे व बलिदान से परिचित करवाने की आवश्यकता है जिससे वह आजादी के महत्व को समझ सके। यह आजादी कोई भीख या दया से नहीं मिली अपितु नोजवान क्रांतिकारियों के बलिदान से मिली है। आज नई पीढ़ी को गुलामी क्या होती है यह नहीं मालूम, शहीद भगत सिंह ने भी सराबा को अपना बड़ा भाई व प्रेरणा स्रोत्र कहा था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के यह सबसे कम आयु के क्रांतिकारी थे । लाला हरदयाल जी की ग़दर पार्टी ने अनेको नोजवानो को प्रेरणा दी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि कंगना रनौत का वक्तव्य दुर्भाग्यपूर्ण है यह आजादी चरखे तकली से नहीं मिली थी बल्कि हजारों नोजवानो ने बलिदान दिया और आर्य समाज के सबसे अधिक व्यक्ति जेलों गए थे। आज सारा इतिहास फिर से पढ़ने की आवश्यकता है। गायिका प्रवीना ठक्कर, प्रवीन आर्या,रविन्द्र गुप्ता, रजनी गर्ग,दीप्ति सपरा, रजनी चुघ,दीप्ति सपरा आदि ने गीत सुनाये ।

श्री गुरुनानक देव जी की जयन्ती सम्पन्न

श्री गुरुनानक देव ने समानता का संदेश दिया – आर्य रविदेव गुप्ता
सेवा और ईश्वर भक्ति जीवन का आधार है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 19 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महान संत, समाज सुधारक श्री गुरुनानक देव जी के जन्मोत्सव पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 315 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि श्री गुरुनानक देव जी ने समाज में समानता का संदेश दिया, उनका मानना था कि सब ईश्वर की संतान हैं सब बराबर है। उन्होंने पंजाब में सिखों के ईसाइयत में धर्म परिवर्तन पर चिन्ता व्यक्त की सिख नेताओं को इस और ध्यान देना चाहिए ।धर्म परिवर्तन से निष्ठा और विचारधारा बदल जाती है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि श्री गुरुनानक देव जी की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने की आवश्यकता है,नाम जपो और सेवा करो यानी कि जरूरत मंद को सहायता करो यही उनका संदेश है। राष्ट्रीय सिख संगत एन सी आर के संयोजक सरदार हरभजन सिंह देयोल ने कहा कि सिख समाज हिंदुओ की रक्षा के लिए बना हर हिन्दू परिवार से एक बच्चा सिख बना और मुगलों के अत्याचार का मुकाबला किया । आज हमें अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करना है और हिंदू सिख एकता को मजबूत बनाना है। मुख्य अतिथि कनाडा से भारत भूषण साहनी ने सभी को शुभकामनाएं दी । राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है। गायिका प्रवीन आर्या,रजनी गर्ग, रजनी चुघ, प्रवीना ठक्कर, आशा आर्या, प्रतिभा कटारिया, जनक अरोड़ा, मधु खेड़ा, सुशांता अरोड़ा, प्रेम हंस (ऑस्ट्रेलिया), कमला हंस, कमलेश चांदना आदि ने मधुर भजन सुनाये। सभी ने श्री गुरुनानक देव जी की शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लिया।

प्रभु भक्ति पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

प्रभु भक्ति से शक्ति,आनन्द व आत्मबल मिलता है –साध्वी रमा चावला

रविवार 28 नवम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में प्रभु भक्ति विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 320 वेबिनार था। वैदिक विदुषी साध्वी रमा चावला ने कहा कि प्रभु भक्ति में बहुत आनंद है,व्यक्ति जब ईश्वर के प्रति समर्पण भाव से स्तुति करता है तो उसे आत्मिक बल,शक्ति व आनन्द की प्राप्ति होती है। बड़े से बड़ा कष्ट भी व्यक्ति आसानी से सहन कर लेता है। ईश्वर विश्वासी किसी से भय नहीं खाता। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ईश्वर ध्यान से सभी दुःखों का निवारण होता है। ईश्वर ही सच्चा सखा है वही परमानंद को देने वाला है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री प्रेम बहल व अध्यक्ष आदर्श आर्या ने भी परमात्मा से मिलन की चर्चा की । राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि योग ध्यान से ही परमात्मा से प्रीत लगाई जा सकती है। गायक रविन्द्र गुप्ता, रजनी चुघ,सविता भूटानी,कमला हंस,प्रवीना ठक्कर,सत्यभूषण आर्य,सोहन लाल आर्य,अनिल आर्य,रचना वर्मा,कमलेश चांदना के मधुर भजन हुए। प्रमुख रूप से करुणा चांदना, धर्मदेव खुराना, रेणु घई आदि उपस्थित थे।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970